p;  Need to undertake fresh archaeological survey, study and excavation of Nagari, a village of archaeological importance in Chittorgarh Parliamentary Constituency, Rajasthan and also set up a Museum at Nagari for the tourists.

**श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़)** ः मेरे संसदाय क्षेत्र चित्तौडगढ़ (राजस्थान) की नगरी के पुरातात्विक महत्व पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने वर्ष 1998 में  " ण्ड्ढ एद्धहण्ड्ढड्ढदृथ्दृत्दृढ्ढथ् ड्ड्ढड्ढत्दद्य ः Eन्ह्ढध्ड्ढत्र्त्दद ड्ढद्य ग्ठ्ठढ्ढद्धत्" शीर्षक से एक मोनोग्राफ प्रकाशित किया था। इससे पूर्व में आई.सी.सी. कारलायस के द्वारा 19वीं शताब्दी में चित्तौड़गढ़ के निकट नगरी में पुरातात्विक उत्खनन से ईसा पूर्व के स्मारक एवं पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुए थे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ए.एस.आई.) की पुरातात्विक खोज से यह स्पष्ट हुआ है कि ईसा से तीन-चार शताब्दी पूर्व माध्यमिका नगरी एक विकसित गणराज्य एवं व्यापारिक केन्द्र था। इसका आशय यह है कि नगरी में आस-पास के क्षेत्रों में भी पुरातात्विक साक्ष्य मिलने की संभावनाएंÃ¬ हैं।

अतः मेरा माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी से अनुरोध है कि नगरी क्षेत्र का एक बार पुनः पुरातात्विक सर्वेक्षण, अध्ययन एवं उत्खनन का कार्य हाथ में लिया जाए और नगरी में पर्यटकों के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण म्यूजियम बने जिसमें वहां से प्राप्त हुए पुरातात्विक पदार्थों को प्रदर्शित किया जाए। नगरी में स्थित उमदीवल (गरूड़ स्तम्भ) एवं हाथीबाड़ा (संकर्षण-वासुदेव पूजा शिला प्रकार) का उचित रख-रखाव हो। अभी उमदीवल असुरक्षित हालत में किसी निजी खातेदारी भूमि पर स्थित है। उसका पुनर्ग्रहण कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इसे अपने कब्जे में ले, साथ ही नगरी क्षेत्र में सड़कों का विकास कर पुरातात्विक स्थलों तक पर्यटकों की पहुँच को सुगम बनाये एवं पुरातात्विक नगरी क्षेत्र का विकास करने हेतु एक मास्टर प्लान तैयार किया जाए।